महिला अध्ययन केन्द्र, दुवासु, मथुरा
द्वारा
महिलाओं को रोजगार की ओर प्रेरित करना तथा स्वयं सहायता समूह और उसके महत्त्व हेतु जागरूकता कार्यक्रम के आयोजन की आख्या

दिनांकः 01.02.2024 स्थानः बन्दी

उत्तर प्रदेश पंडित दीनदयाल पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय एवं गो अनुसंधान संस्थान मथुरा द्वारा महिला अध्ययन केन्द्र के अंतर्गत अर्न्तराष्ट्रीय परिवार दिवस के अवसर पर ग्राम – बंदी, ब्लाक बल्देव, मथुरा में दिनांक 01 फरवरी 2024 को स्वयं सहायता समूह और उसके महत्त्व हेतु जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय से संमन्वयक डॉ. रश्मि, डॉ. श्यामा एन प्रभु, डा0 मीना गोस्वामी, श्रीमती शिवांगी सिंह एवं रजनी ने भाग लिया। इस कार्यक्रम में डा. रश्मि ने बताया कि सरकारी योजनाओं की जानकारी देना तथा जागरूकता का प्रसार करना हमारे दायित्वों का एक अंग है तथा महिला विकास में सरकारी योजनाओं की भूमिका महत्वपूर्ण एवं अग्रणी है । सरकार द्वारा चलायी जा रही योजना **"स्वयं सहायता समूह"** महिला सशक्तिकरण का एक प्रमुख माध्यम है इसी को दृष्टिगत रखते हुए महिलाओ को स्वयं सहायता समूह के महत्व एवं यह समूह कैसे गठित किया जाए, समूह की महिलायें किस प्रकार बैंक से लोन ले सकती हैं आदि की जानकारी प्रदान की गयीं । सरल शब्दों में कहें तो स्वयं सहायता समूह (Self Help Group) कुछ ऐसी महिलाओं का एक समूह होता है जो अपनी रहन–सहन की परिस्थितियों में सुधार करने के लिये स्वैच्छा से एक साथ आती हैं। सामान्यतः एक ही सामाजिक–आर्थिक पृष्ठभूमि से आने वाली महिलाओं का ऐसा स्वैच्छिक संगठन स्वयं सहायता समूह कहलाता है, जिसके सदस्य एक–दूसरे के सहयोग से मासिक बचत करते हुये अपनी साझा समस्याओं का समाधान करते हैं। स्वयं सहायता समूहों के गठन से महिलाओं की सामाजिक–आर्थिक स्थिति में काफी सुधार हुआ है, जिससे महिलाओं के आत्मसम्मान में बढ़ोतरी हुई है ।

इसी क्रम में महिला अध्ययन केन्द्र द्वारा महिलाओं को जागरूक करते हुये ग्राम बन्दी में सात स्वयं सहायता समूह (शिव शम्भू, बाँके बिहारी, नीलकण्ठ, लड्डू गोपाल, श्री कृष्ण, बाल गोपाल और राधारानी स्वयं सहायता समूह) का गठन किया गया। समूह की महिलाओं को पशुपालन से संम्बंधित व्यवसाय करने हेतु दुग्ध प्रसंस्करित इकाइयों की स्थापना हेतु लघु कुटीर उद्योग लगाने हेतु प्रेरित किया गया ताकि उ0प्र0 शासन द्वारा महिलाओं को स्वरोजगार हेतु प्रदत्त सुविधाओं से लाभान्वीत किया जा सके। माध्यमिक विद्यालय की छात्राओं को चौमुखी विकास के लिए उच्च शिक्षा के महत्व की जानकारी देते हुये उन्हें आत्मनिर्भर बनने हेतु प्रेरित किया। ग्राम बन्दी के एक माध्यमिक विद्यालय में 74 बच्चे नामांकित है जिसके 38 बालिकायें हैं। छात्राओं को रोजगार के प्रति जागरूक करने के लिये भारत में महिलाओं के लिये रोजगार के अवसर के विषय पर एक निबंध प्रतियोंगिता का आयोजन कराया गया।

महिला अध्ययन केन्द्र, दुवासु, मथुरा
द्वारा
महिलाओं को रोजगार की ओर प्रेरित करना तथा स्वयं सहायता समूह और उसके महत्त्व हेतु जागरूकता कार्यक्रम के आयोजन की आख्या

दिनांकः 01.02.2024 स्थानः बन्दी